महामहिम राज्यपाल श्री राम नाथ कोविन्द का 'स्वच्छ गंगा अभियान–2015' आयोजित कार्यक्रम (दिनांक 12 नवम्बर, 2015) के अवसर पर सम्बोधन

भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल के महानिदेशक श्री कृष्णा चौधरी जी, सेन्ट्रल फ्रॉन्टियर आई0टी0बी0 पुलिस के महानिरीक्षक श्री हरभजन सिंह जी, उप महानिरीक्षक श्री ए0 के0 छारी जी, पटना विश्वविद्यालय के जीव विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ0 आर0 के0 सिन्हा जी, कार्यक्रम में उपस्थित आई0टी0बी0 पुलिस के सभी अधिकारी एवं जवान, मीडिया–प्रतिनिधिगण, भाईयों एवं बहनों!

'स्वच्छ–गंगा' रिवर राफ्टिंग अभियान–2015' की टीम के पटना में आयोजित 'अभिनंदन समारोह' में शामिल होने के लिए आपने मुझे आमंत्रित किया, इसके लिए मैं आप सबके प्रति धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ।

मित्रों, शौर्य, दृढ़ता और कर्मनिष्ठा के लिए प्रसिद्ध 'भारत तिब्बत सीमा पुलिस' द्वारा 'स्वच्छ गंगा अभियान' के तहत 'रिवर राफ्टिंग अभियान' आयोजित करते हुए गंगा की स्वच्छता बहाल रखने हेतु जन–चेतना विकसित करने का एक सार्थक और अत्यंत प्रशंसनीय प्रयास किया जा रहा है।

मुझे बताया गया है कि भारत सरकार के 'स्वच्छ भारत अभियान' तथा 'नमामि गंगे अभियान' से प्रेरित होकर भारत–तिब्बत–सीमा–पुलिस–बल ;प्ज्ठ च्वसपबमद्ध द्वारा 'स्वच्छ गंगा अभियान–2015' की संकल्पना की गई है और इस संकल्पना के तहत इस बल के अधिकारियों की एक रिवर राफ्टिंग टीम, राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के जन्मदिवस 02 अक्टूबर को देवप्रयाग, उत्तराखण्ड से चलकर विषम और अति कठिन परिस्थितियों के बावजूद, जलमार्ग से विगत 10 नवम्बर, 2015 को पटना पहुँची है। यह अभियान–दल लगभग 2350 किलो

मीटर की दूरी तय करते हुए 12 दिसम्बर, 2015 को गंगा सागर, कोलकाता में अपनी यात्रा पूर्ण करेगा। इस दल द्वारा देवप्रयाग से पटना के बीच गंगा के रास्ते में पड़ने वाले सभी महत्त्वपूर्ण नगरों, यथा कानपुर, इलाहाबाद, वाराणसी आदि के अतिरिक्त गंगा–किनारे के अधिकांश गाँवों के ग्रामीणों, युवाओं, छात्र–छात्राओं एवं बच्चों को जीवनदायनी गंगा को प्रदूषण–मुक्त बनाने के लिए संकल्पित होने को प्रेरित किया गया है।

इसके अतिरिक्त सरकार की अन्य जन–कल्याणकारी योजनाओं आदि के बारे में भी जागरूक बनाया गया है। इस क्रम में, अधिकांशतः स्थानों पर वृक्षारोपण भी किया गया है। इस अभियान–दल के गंगा सुरक्षा एवं पर्यावरण–संरक्षण के लिए किए गए ये समस्त प्रयास काफी प्रेरणादायी एवं प्रशंसनीय रहे हैं।

आप सबको विदित है कि I.T.B.P एक केन्द्रीय पुलिस बल है और इसकी स्थापना भारत–चीन युद्ध के उपरान्त, 24 अक्टूबर, 1962 को 04 वाहिनियों से की गई थी। वर्तमान समय में इसकी 56 वाहिनियाँ हैं, जो देश के विभिन्न हिस्सों में तैनात हैं। इस बल की अधिकतर तैनाती ऐसी दुर्गम पहाड़ियों पर होती है, जहाँ एक सामान्य मनुष्य का रहना अत्यन्त ही कठिन है। आई0टी0बी0पी0 के जवानों के कुशल प्रशिक्षण और हरेक परिस्थितियों में अपने आपको ढाल लेने की कला में दक्षता का परिणाम है कि इस बल के जवान भारत–चीन सीमा पर प्रहरी का दायित्व बखूबी निभा रहे हैं। इस बल द्वारा सीमाओं की सुरक्षा के अतिरिक्त अन्य दायित्वों का भी कुशलतापूर्वक निर्वहन किया जा रहा है, यह इसकी श्रेष्ठता की निशानी है। आंतरिक सुरक्षा, आतंकवाद व नक्सलवाद विरोधी अभियान, विशिष्ट एवं अतिविशिष्ट व्यक्तियों की सुरक्षा, कैलाश मानसरोवर यात्रा का संचालन आदि कार्य –इस बल के ऐसे उल्लेखनीय कार्य हैं, जिनपर हम सभी गर्व कर सकते हैं। पर्वतारोहण एवं साहसिक खेलों, जैसे – स्किंग और रिवर राफ्टिंग आदि में भी अग्रणी इस बल ने 200 से ज्यादा राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पर्वतों का आरोहण कर रिकार्ड बनाया है। इस बल के खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय

और अन्तर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में बेहतरीन प्रदर्शन कर सैकड़ों पदक जीत कर अपने बल तथा देश का नाम ऊँचा किया है।

पिछले चार वर्षों में आपदा–प्रबंधन के तहत इस बल ने 100 से ज्यादा बचाव और राहत कार्यों में भाग लिया और हजारों लोगों की प्राण–रक्षा की है। आई0टी0बी0पी0 द्वारा 'सिविक एक्शन' और 'बॉर्डर एरिया डेवलपमेंट प्रोग्राम' के तहत भी बार्डर एरिया और नक्सल प्रभावित इलाकों के छात्रों/युवाओं आदि को कम्प्यूटर–शिक्षा देने का कार्य, छात्रों के लिए शैक्षणिक भ्रमण का आयोजित करवाने का दायित्व बखूबी निभाया गया है।

आज अपने जन–जागरण के सामाजिक दायित्वों के निर्वहन में एक कदम आगे बढ़ाते हुए आई0टी0बी0पी0 ने यह 'गंगा स्वच्छता अभियान' चलाया है। यह अभियान भी अत्यंत सार्थक और मौजूदा जरूरतों के मुताबिक है। आज गंगा का पानी इतना प्रदूषित हो चुका है कि यह पीने लायक तो दूर, खेती लायक भी बहुत उपयोगी नहीं रह गया है। इतना ही नहीं गंगा नदी का पानी प्रदूषित होने के कारण, इसमें पाये जाने वाले कई प्रकार के जलचर भी विलुप्त होने लगे हैं। आज गंगा नदी में पॉलिथीन, कूड़ा–कर्कट, मृत जानवर फेंके हुए पाए जाते है। शहरों की पूरी गंदगी गंगा में आकर गिर रही है। सच पूछा जाए तो गंगा को गंदा करके उसे प्रदूषित कर हम अपने भविष्य और जन–जीवन को ही संकटग्रस्त बना रहे हैं।

भारत–तिब्बत सीमा पुलिस बल द्वारा 'मिशन क्लीन गंगा' के तहत चलाये जा रहे इस विशेष अभियान का मुख्य उद्देश्य गंगा को सुरक्षित एवं साफ रखना ही है। भारत के सभी आम नागरिकों का भी आज यह परम कर्तव्य बन गया है कि वे अपने आस–पास तथा गंगा नदी को साफ–सुथरा रखने में भरपूर योगदान दें।

अन्त में, मैं इस अभियान में शामिल सभी सदस्यों को उनके अभियान की भरपूर सफलता के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ। इस पुलिस बल के सभी वरिष्ठ अधिकारियों एवं जवानों को इस अभियान को संचालित करने के लिए पुनः बधाई देता हूँ। मैं समस्त बिहारवासियों

व देशवासियों से यह अनुरोध करता हूँ कि जीवन दायिनी गंगा को प्रदूषण–मुक्त रखने में अपना भरपूर सहयोग प्रदान करें तथा 'स्वच्छ भारत अभियान' को सफल बनायें।

बहुत–बहुत धन्यवाद।

जय हिन्द।

***

प्रस्तुति–जन–सम्पर्क शाखा, राजभवन, पटना।